रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

वर्ष 11 | अंक 24 | कुल पृष्ठ : 8 | मूल्य - 2 रू.

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

इंदौर प्रति मंगलवार, 27 अक्टूबर 2026 से 2 नवम्बर 2026 तक

चुनावी रणनीति या विपक्ष की घेराबंदी? शाह की मौजूदगी में भाजपा का मंथन

मतदाता सूची विवाद और 1 नवंबर की रैली पर नजर, 2027 के चुनावों से पहले सियासी मुकाबला तेज

नई दिल्ली। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुटी भाजपा ने अब विपक्ष के चुनावी नैरेटिव को चुनौती देने की रणनीति तेज कर दी है।

रविवार को पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में दिल्ली स्थित मुख्यालय में हुई बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और संगठन महामंत्री बीएल संतोष भी शामिल हुए। बैठक में उत्तर प्रदेश, पंजाब, गोवा, उत्तराखंड और मणिपुर के आगामी चुनावों, सामाजिक माध्यमों पर प्रचार तथा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्ष के अभियान का जवाब देने पर चर्चा हुई। एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित विपक्षी रैली



भी भाजपा की रणनीति के केंद्र में रही। भाजपा ने मतदाता सूची और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर जनसंपर्क बढ़ाने के लिए देशव्यापी अभियान शुरू किया है। पार्टी इसे लोकतांत्रिक संस्थाओं के समर्थन का अभियान बता रही है, जबकि विपक्ष पुनरीक्षण प्रक्रिया पर सवाल उठा रहा है। सवाल यह है कि मतदाता सूची की शुद्धता पर बहस तथ्यों से तय होगी या राजनीतिक आरोपों से? लोकतंत्र में मतदाता का नाम सुरक्षित रखना और गलत प्रविष्टियां हटाना दोनों जरूरी हैं।

आठ साल की कानूनी लड़ाई खत्म राहुल गांधी बरी

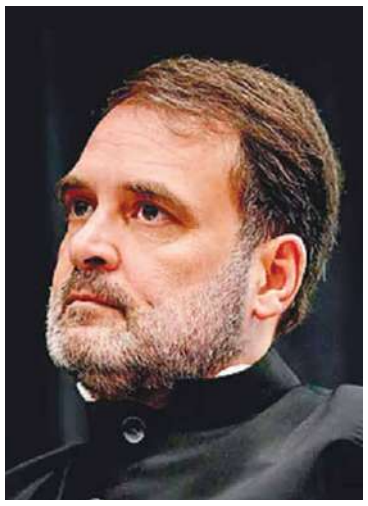

सुलतानपुर। भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह पर टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में राहुल गांधी को बड़ी राहत मिली है। सुलतानपुर की विशेष सांसद-विधायक अदालत ने सोमवार, 26 अक्टूबर को उन्हें दोषमुक्त कर दिया। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने फैसला सुनाया। राहुल गांधी निर्णय के समय अदालत में मौजूद थे। मामला वर्ष 2018 का है, जब कर्नाटक विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी ने अमित शाह को हत्या के एक मामले में आरोपित बताए जाने संबंधी टिप्पणी की थी। स्थानीय भाजपा नेता विजय मिश्रा ने 4 अगस्त 2018 को मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता ने टिप्पणी को प्रतिष्ठा धूमिल करने वाला बताया, जबकि राहुल गांधी का पक्ष था कि उनके बयान को संदर्भ से अलग करके पेश किया गया। अदालत ने टिप्पणी को मानहानिकारक नहीं माना और राहुल गांधी को बरी कर दिया। यह फैसला एक आपराधिक मानहानि मुकदमे का है। इसे हर राजनीतिक आरोप पर न्यायिक मुहर नहीं माना जा सकता।

विकास के नाम पर उजड़ते जंगल!

देश में कितने पेड़ काटे गए, केंद्र के पास नहीं है पूरा हिसाब

पांच वर्षों में 92 हजार हेक्टेयर से अधिक वन भूमि के गैर-वन उपयोग को मंजूरी, सड़क, रेलवे, खनन और बिजली परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर वन भूमि प्रभावित

विशेष रिपोर्ट | रणजीत टाइम्स

नई दिल्ली/इंदौर। देश में विकास के नाम पर सड़कें, हाईवे, रेलवे लाइनें, बांध और औद्योगिक परियोजनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। लेकिन इन परियोजनाओं के लिए आखिर कितने पेड़ों की बलि दी गई? इस सवाल का एक समग्र राष्ट्रीय आंकड़ा केंद्र सरकार के पास उपलब्ध नहीं है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा 5 फरवरी 2026 को राज्यसभा में दी गई जानकारी के अनुसार, वित्त वर्ष 2020-21 से 2024-25 के बीच 6,188 प्रस्तावों के तहत 92,062.85 हेक्टेयर वन भूमि को गैर-वन उपयोग के लिए पूर्व मंजूरी दी गई।

सरकारी आंकड़े क्या कहते हैं?

वित्त वर्ष 2024-25 में ही 1,710 प्रस्तावों के



अंतर्गत 17,938.85 हेक्टेयर वन भूमि के उपयोग को मंजूरी दी गई।

पांच वर्षों में विभिन्न परियोजनाओं के लिए स्वीकृत वन भूमि में शामिल हैं:

सड़क परियोजनाएं – 21,693.73 हेक्टेयर

खनन परियोजनाएं – 18,912.77 हेक्टेयर

बिजली ट्रांसमिशन लाइनें – 12,725.63 हेक्टेयर

रेलवे परियोजनाएं – 5,956.96 हेक्टेयर

ये वन भूमि उपयोग की स्वीकृतियां हैं, काटे गए पेड़ों की वास्तविक संख्या नहीं।

मध्य प्रदेश में 12,404 पेड़ों की कटाई

केन-बेतवा लिंक परियोजना के संबंध में जुलाई 2025 में केंद्र सरकार ने बताया था कि दौधन बांध एवं संबंधित निर्माण कार्यों के लिए लगभग 17,101 पेड़ काटने हेतु चिह्नित किए गए थे। इनमें से पन्ना टाइगर रिजर्व क्षेत्र में 12,404 पेड़ काटे जा चुके थे।

विकास जरूरी, लेकिन पर्यावरण की कीमत पर कब तक?

सवाल यह नहीं है कि

देश में विकास होना चाहिए या नहीं

»» **सवाल यह है कि**- विकास योजनाओं में पेड़ों और जंगलों के संरक्षण को कितनी प्राथमिकता दी जा रही है। जब किसी परियोजना के लिए हजारों पेड़ काटे जाते हैं, तो उसके बदले कितने पौधे लगाए गए? कितने पौधे जीवित बचे? इसकी निगरानी और सार्वजनिक जवाबदेही भी उतनी ही जरूरी है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब देशभर में काटे गए पेड़ों की एकीकृत संख्या उपलब्ध नहीं है, तो आम नागरिक पर्यावरणीय नुकसान का पूरा हिसाब कैसे जान पाएगा? सरकार को परियोजनावार पेड़ों की कटाई, प्रतिपूरक वृक्षारोपण और पौधों के जीवित रहने की जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए।

विकास भी जरूरी है, लेकिन हरियाली बचाना भी हमारी जिम्मेदारी है।

भगवान की परीक्षा नहीं लेना चाहिए,उनकी प्रतीक्षा करनी चाहिएः पंडित श्री धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री

हेमंत भार्गव

शिवपुरी, करैरा। बगीचा धाम-श्री राम राजा धाम में तृतीय दिवस सोमवार दोपहर 4बजे महाआरती हुई, प्रमुख यजमान पंडित राजेश दुबे भोला महाराज के परिजनों ने की.लाखों श्रद्धालू की भीड़ के सामने बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर श्री धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने श्रीराम कथा पर प्रवचन देते हुए कहा कि करैरा संत महावीर दास की समधी है, बगीचा सरकार, बीजासन माता, श्रीराम राजा धाम पूरी भूमि देख कर लगता है कि पुराना भूमि तीर्थ रहा होगा, करैरा में इतने भक्त, भक्तों की चर्चा सनातन के प्रति तीर्थ रही होगी,आने वाले



समय में तीर्थ बन जाएगी.कथा सुनने से संतोष कु तिजोरी भर जाती है.तन,मन,धन तीन है, तीनों का सदुपयोग होता है,तन का काम है,सेवा करना.मन का काम है, भगवान का नाम.धन काम है,परमार्थ में लगाना.परमात्मा को पाने के लिए ज्ञान, भक्ति, वैराग्य ही है पंडित श्री धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी ने श्रीराम कथा सुनाई और वाल्मीक जयंती पर राम जी की कृपा का उदाहरण दिया,इसके उपरांत भगवान शिव और पार्वती जी के प्रसंग सुनाये. इसके उपरांत कथा सुनाई,गीत-सन्गीत पर श्रद्धालू भाव विभोर हो गये, आज 27अक्टूवर को भगवान शिव की बरात ओर श्री राम का जन्म महोत्सव मनाया जाएगा अन्नपूर्णा भोजन पंडाल जोकि 8वीघा में निर्मित है, जिसमें हजारों श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं 200के लगभग सेवा समिति के सदस्य भोजन प्रसादी में बड़े ही श्रद्धा भाव से सेवा कार्य में संलग्न है,देर रात्रि तक प्रसाद का वितरण किया जा रहा है.हजारो श्रद्धालु,साधु संत ,विशाल पंडाल एवं मंदिर परिसर के आसपास बनाए गये पंडालों में रात्रि में विश्राम भी कर रहे हैं,इनके लिए पानी,नहाने धोने की व्यवस्था के साथ -साथ साफ सफाई की समिति ने सुन्दर व्यवस्था की गई है.समिति के सदस्य रात दिन सेवा कर रहे हैं.सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस कर्मी भी तैनात हैं, ड्रोन कैमरों से भी निगरानी की जा रही है.यातायात व्यवस्था को पुलिस के जवानों ने अच्छी तरह से संचालित किया है। आज 27अक्टूवर को दिव्य दरबार, 28अक्टूवर के दिव्य दरवार में भूत प्रेत बाधा का निवारण होगा।

,29,,30,को गुरु दीक्षा होगी. हजारों श्रद्धालु देश के अनेक शहरों, गांवों से करैरा पहुंच रहे हैं. करैरा में लघु महाकुंभ लग गया है।

पीथमपुर में युवक की संदिग्ध मौत

कंपनी की बाउंड्री के पास चैंबर में मिला शव

खुशबू श्रीवास्तव

बलाई महासभा ने की निष्पक्ष जांच की मांग, 48 घंटे में कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

पीथमपुर/धार। धार जिले के पीथमपुर सेक्टर-ए स्थित VE पॉवरट्रेन कंपनी की बाउंड्री वॉल के पास बने चैंबर में एक युवक का शव मिलने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। मृतक की पहचान विक्रांत के रूप में हुई है। युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर परिजनों ने कई सवाल उठाए हैं और घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की है। वहीं, अखिल भारतीय बलाई महासभा ने भी मामले में पुलिस प्रशासन से दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

15 अक्टूबर को कंपनी में गाड़ी चलाने गया था विक्रांत

जानकारी के अनुसार, 15 अक्टूबर 2026 को विक्रांत कंपनी में गाड़ी चलाने के लिए गया था। परिजनों के मुताबिक, शाम करीब 5 बजे के बाद उसका मोबाइल फोन बंद आने लगा। परिजनों ने उससे संपर्क करने का प्रयास किया और कंपनी पहुंचकर भी उसके बारे में जानकारी जुटाई, लेकिन उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल सका। इसके बाद परिजनों ने पीथमपुर सेक्टर-ए थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। बताया जा रहा है कि दो दिन बाद कंपनी की बाउंड्री वॉल के पास बने चैंबर से विक्रांत का शव बरामद हुआ। शव मिलने की खबर से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

परिजनों ने जताई आशंका, जांच की मांग

विक्रांत की मौत को लेकर परिजनों ने आशंका जताई है कि उसके साथ एसिड से जलाने जैसी घटना हुई और बाद में शव को चैंबर में फेंक दिया गया। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई और इसके पीछे क्या कारण रहे, इसका खुलासा पुलिस जांच तथा उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही हो सकेगा।

बलाई महासभा ने थाने पहुंचकर सौंपा मांग पत्र

मामले को लेकर 25 अक्टूबर को अखिल भारतीय बलाई महासभा के अध्यक्ष मनोज परमार के नेतृत्व में महासभा के पदाधिकारी


मृतक विक्रांत सेन

और कार्यकर्ता पीथमपुर सेक्टर-ए थाने पहुंचे। यहां उन्होंने पुलिस प्रशासन से विक्रांत की मौत की निष्पक्ष जांच कराने, मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने और यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। महासभा के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि 48 घंटे के भीतर मामले में ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव किया जाएगा और थाने के बाहर चक्काजाम किया जाएगा।

कंपनी पहुंची पुलिस टीम, सीसीटीवी फुटेज की जांच

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम कंपनी पहुंची और वहां लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। पुलिस की ओर से आश्वासन दिया गया कि जांच में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल इस मामले में पुलिस जांच पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। परिजन विक्रांत की मौत की असल वजह जानने और न्याय मिलने की उम्मीद कर रहे हैं। वहीं, महासभा ने भी मामले में जल्द कार्रवाई की मांग उठाई है।

»» विक्रांत की संदिग्ध मौत के मामले में अब कई सवालों के जवाब मिलना बाकी है। आखिर कंपनी में जाने के बाद उसके साथ क्या हुआ?

»» उसका शव कंपनी की बाउंड्री वॉल के पास बने चैंबर में किन परिस्थितियों में पहुंचा?

»» क्या सीसीटीवी फुटेज से पुलिस को कोई अहम सुराग मिल पाएगा?

»» इन सभी सवालों का जवाब पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही सामने आ सकेगा। अब देखना होगा कि जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं और विक्रांत के परिजनों को न्याय कब तक मिल पाता है।

जनगणना द्वितीय चरण की तैयारियों की अपर कलेक्टर ने की समीक्षा

धर्मेन्द्र गुप्ता

विदिशा। जनगणना द्वितीय चरण के अंतर्गत जनसंख्या गणना की प्रक्रिया को सुचारू, व्यवस्थित एवं समयबद्ध रूप से संपादित करने के उद्देश्य से आज अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तर पर प्रारंभिक तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना कार्य के लिए जिला स्तर पर नियुक्त चार्ज लिपिक एवं तकनीकी सहायकों ने सहभागिता की। इस दौरान जनसंख्या गणना से संबंधित तैयारियों, आवश्यक व्यवस्थाओं तथा आगामी कार्ययोजना के संबंध में बिंदुवार समीक्षा की गई।



बैठक में जनगणना निदेशक, मध्यप्रदेश से प्रशिक्षक सुश्री दीक्षा केसरवानी भी उपस्थित रहीं। उन्होंने जनगणना कार्य की प्रक्रिया एवं तकनीकी पहलुओं के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि जनगणना द्वितीय चरण से संबंधित सभी प्रारंभिक तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण की जाएं। उन्होंने कार्य में समन्वय बनाए रखने, तकनीकी व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करने तथा जनगणना से संबंधित दायित्वों का गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जनगणना कार्य की शुद्धता एवं पारदर्शिता बनाए रखने पर विशेष जोर देते हुए कहा गया कि निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि जनगणना का कार्य व्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

रबी सीजन में किसानों को पर्याप्त मात्रा में गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध

विदिशा जिले में गेहूं, चना, मसूर, सरसों सहित प्रमुख फसलों के प्रमाणित एवं आधार बीज का पर्याप्त भंडारण

धर्मेन्द्रगुप्ता

विदिशा। आगामी रबी मौसम में किसानों को गुणवत्तापूर्ण एवं प्रमाणित बीज सहजता से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में विभिन्न रबी फसलों के बीज का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया गया है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा बीज की उपलब्धता की निरंतर समीक्षा की जा रही है, ताकि किसानों की मांग एवं आवश्यकता के अनुरूप समय पर बीज उपलब्ध कराया जा सके। प्रदेश स्तर पर शासकीय एवं अधिकृत संस्थाओं के पास रबी फसलों के बीज का पर्याप्त भंडारण उपलब्ध है।

किसानों की आवश्यकता के अनुसार बीज की उपलब्धता बनाए रखने के लिए विभाग द्वारा जिलावार एवं संस्थावार स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है। विदिशा जिले में प्रमुख रबी फसलों का पर्याप्त बीज उपलब्ध विदिशा जिले में रबी वर्ष 2026-27 के लिए किसानों की आवश्यकतानुसार प्रमाणित एवं आधार बीज की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। कृषि विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार बीज निगम, बीज संघ एवं राष्ट्रीय बीज निगम के माध्यम से जिले में विभिन्न फसलों का बीज उपलब्ध कराया गया है। जिले में मटर के 12 क्विंटल, गेहूं के 85748 क्विंटल, चना के 11555 क्विंटल, सरसों के 361 क्विंटल, मसूर के 3870 क्विंटल तथा अलसी के 147 क्विंटल बीज किसानों के लिए उपलब्ध है। इस प्रकार प्रमुख रबी फसलों के प्रमाणित एवं आधार बीज की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। जिले की बीज आवयश्कता 130000 क्विंटल की है जिस की पूर्ति हेतु जिले की बीज उत्पादक समिति, बीज निगम, NSC, बीज संघ,निजी विक्रेता के पास बीज उपलब्ध है। लाइसेंस वाली बीज दुकान से बीज खरीदी करे,पक्का बिल ले, प्रमाणित बीज खरीदी करें।

अधिकृत केंद्रों से ही प्रमाणित बीज खरीदने की अपील

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे रबी फसलों की बुवाई के लिए बीज केवल अधिकृत विक्रय केंद्रों एवं संबंधित सहकारी संस्थाओं से ही क्रय करें। बीज खरीदते समय किसान बीज के टैग, बिल एवं वैधता अवधि की जांच अवश्य करें। साथ ही निर्धारित दर से अधिक कीमत पर बीज विक्रय अथवा किसी अन्य प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर इसकी सूचना संबंधित जिले के कृषि विभाग के अधिकारियों को दें।विभाग द्वारा किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने के साथ-साथ बीज की उपलब्धता, बिक्री एवं निर्धारित दरों की निगरानी भी की जा रही है, जिससे रबी मौसम में किसानों को समय पर उचित गुणवत्ता का बीज प्राप्त हो सके।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

इंदौर प्रति मंगलवार, 27 अक्टूबर 2026 से 2 नवम्बर 2026 तक

यारान ग्रुप द्वारा प्री करवाचौथ उत्सव का हुआ भव्य आयोजन

इंदौर। शहर के प्रसिद्ध महिला संगठन यारान ग्रुप के तत्वावधान में प्री करवाचौथ सेलिब्रेशन का भव्य आयोजन किया गया। करवाचौथ के पावन पर्व के उपलक्ष्य में हुए इस कार्यक्रम में शहर की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती पीनल भट्ट जी, संस्थापक - आरएस डायमंड रहीं। वहीं विशेष अतिथि के रूप में श्रीमती लीना चौकसे जी एवं श्रीमती चित्रा त्रिवेदी जी, श्रीमती साक्षी सिन्हा जी एवं श्रीमती राशिका नीमा जी उपस्थित रहीं।







कार्यक्रम में महिलाओं के लिए श्रृंगार, मेहंदी, फैशन शो, बेस्ट ड्रेस प्रतियोगिता एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यारान ग्रुप की फाउंडर श्रीमती अर्चना दीपक गुप्ता ने कहा कि करवाचौथ केवल एक व्रत नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर और हमारी सनातन परंपरा का प्रतीक है। अंत में यारान ग्रुप की फाउंडर श्रीमती अर्चना गुप्ता ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी अतिथियों एवं टीम के सभी सदस्यों का दिल से धन्यवाद व्यक्त किया।



इन्दौर राजकुमार मिल गणेश उत्सव समिति द्वारा दशहरा मिलन व झांकी कलाकारों का सम्मान समाहरोह संपन्न किया गया। जिसमे समिति के संयोजक एड. अजय सिंह ठाकुर ने बताया की इस अवसर पर मालवा मील कमेटी के अध्यक्ष कैलाश कुशवाहा, सुरेन्द्र शर्मा, झांकी कलाकार पविण हरगांवकर ने समाजसेवी,35 वर्ष से सेवा देने वाले मदन परमालिया को सम्मानित किया ,व गणेश वर्मा सहित अन्य मीलो के पदाधिकारियों सहित समाज सेवी उपस्थित थे।

दशहरा पर्व पर शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन

धर्मेन्द्र गुप्ता

जिला पंचायत अध्यक्ष, विधायक तथा कलेक्टर व एसपी ने सहभागिता निभाई विदिशा। आज विदिशा पुलिस लाइन में दशहरा पर्व पर आयोजित शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गीता कैलाश रघुवंशी, विधायक श्री मुकेश टण्डन, कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी, वन मण्डलाधिकारी श्री हेमंत यादव अन्य जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने सहभागिता निभाई। विधि विधान पूजन कार्यक्रम के उपरांत पुलिस द्वारा उपयोग किए जाने वाले सभी प्रकार के शस्त्रों को रखा गया था। हवन में आहूतियां दी जिला पंचायत अध्यक्ष, विधायक, कलेक्टर व एसपी सहित अन्य के द्वारा हवन में शामिल होकर आहुतियां दी हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष श्री तोरण सिंह दांगी, कॉ-आपरेटिव बैंक के पूर्व अध्यक्ष श्री श्यामसुन्दर शर्मा, ग्यारसपुर जनपद पंचायत के पूर्व अध्यक्ष श्री छत्रपाल शर्मा, समेत अन्य जनप्रतिनिधि अन्य जनप्रतिनिधिगण, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका तिवारी, समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी - कर्मचारीगण, मीडिया कर्मी मौजूद रहे।



सांवेर में आबकारी विभाग की कार्रवाई, 6 प्रकरण दर्ज

अवैध शराब के खिलाफ ग्रामीण क्षेत्रों में दबिश,

चौपाल लगाकर ग्रामीणों को किया नशामुक्ति के प्रति जागरूक

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर/सांवेर। इंदौर जिले में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग ने ग्रामीण क्षेत्रों में सघन अभियान चलाया। कलेक्टर शिवम वर्मा एवं सहायक आबकारी आयुक्त अभिषेक तिवारी के निर्देशन तथा कंट्रोलर कमलेश सोलंकी और डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल के मार्गदर्शन में वृत्त सांवेर के संयुक्त दल ने विभिन्न गांवों में दबिश देकर छह प्रकरण पंजीबद्ध किए।अभियान के तहत अर्जुन बड़ौदा, पूवार्दा दाई, पूवार्दा हप्पा, मकोड़िया, बूढ़ी बरलाई, बरलाई जागीर एवं क्षिप्रा सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। इस दौरान अवैध मदिरा जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई की गई।

चौपाल लगाकर ग्रामीणों को किया जागरूक

आबकारी विभाग की टीम ने कार्रवाई के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में प्रबुद्ध नागरिकों की चौपाल लगाकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी। ग्रामीणों को अवैध स्थानों से शराब नहीं खरीदने तथा केवल शासकीय लाइसेंस प्राप्त मदिरा दुकानों से ही मदिरा खरीदने



की समझाइश दी गई। विभाग का उद्देश्य अवैध मदिरा के कारोबार पर रोक लगाने के साथ ही आमजन को नशे के प्रति जागरूक करना है।इन

अधिकारियों और कर्मचारियों की रही भूमिका

संयुक्त कार्रवाई सहायक जिला आबकारी अधिकारी धर्मेंद्र जोशी के नेतृत्व में की गई। दल में आबकारी उपनिरीक्षक जया मुजाल्दे (वृत्त सांवेर), राजेश बट्टी (वृत्त देपालपुर) तथा मुख्य आरक्षक एवं आरक्षक रविन्द्र बघेल, अंकिता लोदवाल, राशि सौलट और योगेश महोबिया शामिल रहे।

खेत बचाओ अभियान के तहत गांवों में कृषक चौपाल आयोजित

डीएपी उर्वरक के विकल्पों की दी जानकारी

नरवाई प्रबंधन और ई-विकास प्रणाली से ई-टोकन बुकिंग का दिया प्रशिक्षण

वीरेंद्र चौहान रणजीत टाइम्स हरदा

हरदा। जिले में खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत कृषि प्रसार कार्यकर्ताओं द्वारा विकासखंड टिमरनी, खिरकिया एवं हरदा के विभिन्न ग्रामों में कृषक चौपालों का आयोजन किया गया। इन चौपालों में किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग, नरवाई प्रबंधन तथा ई-विकास प्रणाली पोर्टल के माध्यम से ई-टोकन बुक करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। विकासखंड टिमरनी के ग्राम मनियाखेड़ी, सोहागपुर, निर्माचखुर्द, पड़वा एवं उन्द्राकच्छ में कृषक चौपाल आयोजित की गई। इसी प्रकार विकासखंड खिरकिया के ग्राम छीपाबड़, गोमगांव, बंदीमुहड़िया, हसनपुरा, चौकी, कालधड़, जूनपानी, धनकार एवं महेंद्रगांव तथा विकासखंड हरदा के ग्राम बैडी सहित अन्य ग्रामों में किसानों से संवाद किया गया। कृषक चौपाल में किसानों को डीएपी उर्वरक के विकल्प के रूप में एनपीके 12:32:16, 20:20:0:13, 16:20:0:13, टीएसपी एवं एसएसपी उर्वरकों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया गया। किसानों को फसल की आवश्यकता एवं मृदा की स्थिति के अनुसार संतुलित उर्वरक उपयोग करने की सलाह दी गई।



इसके साथ ही नरवाई प्रबंधन के संबंध में किसानों को जागरूक करते हुए फसल अवशेषों के उचित प्रबंधन के लिए उन्नत कृषि यंत्रों का उपयोग करने की सलाह दी गई। कृषि प्रसार कार्यकर्ताओं ने किसानों को ई-विकास प्रणाली पोर्टल के माध्यम से ई-टोकन बुक करने की प्रक्रिया का प्रशिक्षण भी दिया, ताकि किसान उर्वरक प्राप्त करने की प्रक्रिया को आसानी से समझ सकें। अभियान के माध्यम से किसानों को उर्वरकों के संतुलित उपयोग, नरवाई के उचित प्रबंधन और कृषि संबंधी ऑनलाइन सुविधाओं के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है।

सहजयोग ध्यानः प्रक्रिया नहीं, चेतना की सहज अवस्था

सहजयोग ध्यान कोई प्रक्रिया नहीं है, बल्कि चेतना की वह सहज अवस्था है जिसमें मनुष्य अपने आत्मस्वरूप में प्रतिष्ठित हो जाता है। यह किसी मानसिक प्रयास, एकाग्रता या विचारों को दबाने का अभ्यास नहीं, बल्कि आत्मसाक्षात्कार के पश्चात् सहज रूप से प्राप्त होने वाली निर्विचार जागरूकता है।

जब कुंडलिनी शक्ति जागृत होकर सहस्रार का द्वार खोलती है, तब विचारों के बीच का अंतराल बढ़ने लगता है और साधक निर्विचार चेतना का अनुभव करता है साक्षी भाव के अनेक लाभ हैं। इससे मन की चंचलता कम होती है, तनाव और चिंता घटती है, और व्यक्ति अधिक शांत, संतुलित तथा स्पष्ट दृष्टि वाला बनता है। साक्षी बनकर हम परिस्थितियों को बेहतर समझते हैं, भावनाओं पर अनावश्यक प्रतिक्रिया से बचते हैं, और संबंधों में धैर्य, करुणा तथा मधुरता विकसित होती है। यह आत्म-जागरूकता, आत्मविश्वास और आंतरिक स्थिरता को भी बढ़ाता है।



साक्षी भाव सहजयोग का आधार है। साक्षी बनकर हम अपने विचारों, भावनाओं, इच्छाओं और परिस्थितियों को केवल देखते हैं, उनसे तादात्म्य नहीं करते।

इसी साक्षी भाव में मन शांत होता है, अहं और प्रतिअहं का प्रभाव क्षीण होने लगता है, और भीतर स्थित आत्मा का प्रकाश प्रकट होने लगता है। उस समय ध्यान करना नहीं पड़ता, बल्कि ध्यान स्वयं घटित होता है। निर्विचार अवस्था ही वास्तविक स्वतंत्रता है। यही वह क्षण है जहाँ वर्तमान जीवंत हो उठता है, परमात्मा की चैतन्य शक्ति का अनुभव होता है और जीवन प्रेम, करुणा, शांति तथा आनंद से परिपूर्ण हो जाता है। सहजयोग का संदेश अत्यंत सरल है—अपने भीतर स्थित दिव्यता को जागृत कीजिए, साक्षी भाव में स्थित रहिए, और निर्विचार चेतना में परमात्मा के प्रेम एवं चैतन्य का निरंतर अनुभव कीजिए। यही सहजयोग है, यही आत्मसाक्षात्कार का सच्चा आनंद है।

सहजयोग के माध्यम से जीवन में पूर्णता लाए

योग हमारे देश में एक प्राचीन जीवन विद्या रही है, लेकिन उसे आधुनिक काल में लोगों ने मात्र एक शारीरिक विधि के रूप में सीमित कर दिया है। वास्तव में योग केवल शारीरिक क्रिया नहीं है जिससे मनुष्य अच्छे स्वास्थ्य को प्राप्त करे, बल्कि एक ऐसा प्रयास भी है जिससे जीवन में शुभता और दिव्यता की प्राप्ति हो ।

लोग केवल शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक शान्ति की खोज करते हैं, लेकिन वह खोज भौतिक व्यवस्थाओं से जुड़ी रहती है। अगर भौतिक व्यवस्था ठीक है तो स्वास्थ्य और शान्ति के लिये अनुकूल है, और हम भौतिक स्तर पर ही अपने आप को प्रसन्न रखने का प्रयास करते हैं। लेकिन प्रसन्नता की प्राप्ति नहीं होती, बल्कि जीवन में संघर्ष ही रहते हैं। हमारे मनीषियों ने योग का आविष्कार मनुष्य के जीवन को पूर्णरूप से सुधारने के लिये किया था, केवल रोग को दूर करने के लिये नहीं। जीवन को पूर्णरूप से सुधारने का मतलब होता है अपनी शारीरिक ऊर्जाओं को, प्राणों को संतुलित रखना, मन को व्यवस्थित रखना, मन के विकारों को अपने से दूर रखने का प्रयास करना।

मानसिक विकार हैं क्या?

काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद और मात्सर्य-ये छः चीजें मानसिक विकार हैं। जब शरीर रोगग्रस्त होता है तो हम चिकित्सक के पास चले जाते हैं और रोग को दूर करने के लिये दवाई मिल जाती है। मानसिक व्यथा होती है तो हम किसी मनोचिकित्सक के पास जाते हैं या फिर किसी साधु-महात्मा के पास जाते हैं इस कामना के साथ कि संभवतः हमें समाधान मिल जायेगा। बहुत स्थानों में समाधान मिलता है, बहुत जगहों में नहीं भी मिलता है, लेकिन जीवन के प्रति हमारा दृष्टिकोण केवल शारीरिक और मानसिक सुख से जुड़ा रहता है। कई आत्मसाक्षात्कारी संतों ने बताया है कि मनुष्य का जीवन केवल शरीर और मन के सुख तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य है पूर्णता को प्राप्त करना।

ॐ पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात् पूर्णमुदच्यते पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते- हमारे जीवन की यात्रा जो पूर्ण से आरम्भ हुई है उसका अन्त भी पूर्णता में ही होना है। इसी पूर्णता सहजयोग के माध्यम से होती है, सहजयोग संस्थापिका परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी साधको को अपनी अमृतवाणी में बताती है कि, मानव अपनी क्रमागत उन्नति के साथ आगे तो बढ़ रहा है, पर उसका सरोकार उसके जीवन देने वाले उस परमात्मा से दूर गया। उसकी पूरी प्राथमिकता अपने खाना, परिवार प्रयोजन और उसकी आवश्यकता तक रह गयी है। परंतु अब वक्त बदल गया है। अब सभी को अपनी आत्मा की ओर देखना चाहिए जो पूर्ण रूप से सत्य है। हमें अपना आत्मसाक्षात्कार लेना होगा, जो एक गुरु की उपस्थिति में ही पूर्ण होता है। इसलिए इस आत्मसाक्षात्कार को जानना भी मनुष्य की प्रवृत्ति में आना चाहिए । जो जीवन की समस्याओं का पूर्ण समाधान करता है। सहजयोग ध्यान द्वारा आत्मा को पाने की ऐसी पद्धति है जिसमें सहजता से निःशुल्क आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है। कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने के हेतु टोल फ्री नंबर 18002700800 या sahajayoga.org.in संपर्क कर सकते हैं।

तहसीलदार बदरवास को गोली मारने की धमकी देने वाले शस्त्र अनुज्ञप्तिधारी का लाइसेंस निरस्त; कलेक्टर श्री वर्मा ने की कार्रवाई

हेमंत भार्गव

शिवपुरी। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने अवैध उत्खनन के विरुद्ध कार्रवाई के दौरान बदरवास तहसीलदार श्री सचिन भार्गव को गोली मारने की धमकी देने वाले शस्त्र अनुज्ञप्तिधारी का शस्त्र लाइसेंस निरस्त कर दिया है।

कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने कार्यवाही करते हुए आयुध अधिनियम 1959 के प्रावधानों के तहत लोक शांति तथा जन सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए संबंधित आरोपी का शस्त्र लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है। थाना बदरवास के ग्राम सड़बड़ निवासी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारी जयमंडल यादव पुत्र लाखन सिंह यादव द्वारा तहसीलदार को गोली मारने की धमकी दी गई। शासकीय कार्य में बाधा डालने, प्रशासनिक अधिकारी को धमकाने तथा



विभिन्न आपराधिक धाराओं में मामला पंजीबद्ध होने के कारण कलेक्टर श्री वर्मा द्वारा यह कार्रवाई की गई है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जयमंडल यादव पुत्र लाखन सिंह यादव के नाम स्वीकृत शस्त्र अनुज्ञप्ति क्रमांक 260/2013/111/डीएम/एसपीआई को तत्काल प्रभाव से निरस्त करने के आदेश जारी किए हैं। साथ ही स्पष्ट किया है कि शासकीय कार्य में व्यवधान डालने, अधिकारियों को डराने-धमकाने और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

परवाज़-ए-हुनरः हुनर को पहचान, महिलाओं को उड़ान

इंदौर मध्यप्रदेश, फैशन डिज़ाइनर आसिफ़ शाह हर साल पांच छात्राओं की फीस देंगे, पाकीजा ग्रुप के इक़बाल गौरी, पार्षद फौजिया शेख अलीम और उद्योगपति साबिर खान ने भी बढ़ाया हौसला

सह संपादक अनिल चौधरी

इंदौर। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके हुनर को मंच देने के उद्देश्य से AIZEE Fashion Academy ने मन्नत गार्डन, ग्रीन पार्क, धार रोड पर "परवाज़-ए-हुनर" कार्यक्रम आयोजित किया। मुख्य अतिथि मशहूर फैशन डिज़ाइनर आसिफ़ शाह रहे, जबकि पाकीजा ग्रुप के इक़बाल गौरी, पार्षद फौजिया शेख अलीम, उद्योगपति साबिर खान और प्रधान संपादक शादाब खान, वरिष्ठ पत्रकार समीर खान व संपादक वाजिद अली कुरैशी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अकादमी के डायरेक्टर मुजाहिद इस्लाम और फाउंडर एवं फैशन डिज़ाइनर शाइन खान ने सभी अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके प्रति आभार व्यक्त किया।



कार्यक्रम की शुरुआत "रंग-ए-हिना 2.0" मेहंदी प्रतियोगिता से हुई। इसके बाद Student Brand Launch Pad के तहत छात्राओं ने अपने हुनर और ब्रांड प्रस्तुत किए। महिला उद्यमियों, बुटीक संचालिकाओं और होम-बेस्ड बिजनेस से जुड़ी महिलाओं ने भी अपने उत्पाद प्रदर्शित किए।

आसिफ़ शाह ने अकादमी के प्रयासों की सराहना करते हुए हर साल पांच छात्राओं की फीस देने और फैशन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सहयोग का संकल्प लिया। उन्होंने छात्राओं को प्रदेश, देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने के लिए प्रेरित किया। इक़बाल गौरी और पार्षद फौजिया शेख अलीम ने भी छात्राओं का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें हुनर निखारने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण, व्यावसायिक शिक्षा और स्वरोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में प्रेरणादायी पहल साबित हुआ।

लाखों खर्च करने के बाद भी नहीं मिला पानी!

जर्मनी की साढ़े तीन लाख की मशीन का दावा, आधे घंटे के सर्वे के लिए 5 से 20 हजार रुपये तक शुल्क! आखिर वैज्ञानिक जांच के नाम पर आम जनता को क्या मिल रहा है?

रणजीत टाइम्स | विशेष खोजी रिपोर्ट

इंदौर। आज के आधुनिक और वैज्ञानिक युग में जब तकनीक के माध्यम से जमीन के भीतर की संरचना का अध्ययन किया जा सकता है, तब भूजल खोजने वाली मशीनों के नाम पर किए जा रहे बड़े-बड़े दावे सवालों के घेरे में हैं। किसानों, जमीन मालिकों और फार्महाउस संचालकों से भूजल सर्वेक्षण के नाम पर हजारों रुपये लिए जा रहे हैं।

लेकिन सर्वे के आधार पर लाखों रुपये खर्च कर बोरवेल कराने के बाद भी पानी नहीं मिलने की शिकायतें सामने आ रही हैं। कुछ सर्वेयर दावा करते हैं कि उनके पास जर्मनी की अत्याधुनिक मशीन है, जिसकी कीमत लगभग साढ़े तीन लाख रुपये है। यह मशीन जमीन के अंदर पानी की संभावित स्थिति और चट्टानों की जानकारी देती है। कहीं 300 से 380 मीटर गहराई तक जांच करने की बात कही जाती है, तो कहीं जमीन के भीतर पानी वाले स्थान की पहचान करने का दावा किया जाता है। लेकिन जब बताए गए स्थान पर बोरिंग कराने के बावजूद पानी नहीं मिलता, तो जवाब होता है- हमारी मशीन पानी मिलने की गारंटी नहीं देती। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि मशीन के परिणाम की विश्वसनीयता और सीमाएं पहले से स्पष्ट नहीं की जातीं, तो ग्राहक से हजारों रुपये किस आधार पर वसूले जा रहे हैं?

इंदौर में सामने आया चौंकाने वाला अनुभव

हाल ही में इंदौर क्षेत्र के एक जमीन मालिक ने भूजल सर्वेक्षण को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनके अनुसार, उन्होंने रघुवंशी नामक सर्वेयर के माध्यम से अपनी जमीन का मशीन से भूजल सर्वेक्षण कराया था। सर्वेयर ने जमीन पर तीन से चार स्थान चिह्नित किए, जहां बोरवेल कराने की सलाह दी गई। जमीन मालिक ने सर्वे के आधार पर बताए गए एक स्थान पर बोरवेल मशीन बुलवाई और खुदाई शुरू कराई। बोरिंग के दौरान मिट्टी, लाल मिट्टी और कठोर चट्टानें मिलीं। पानी की उम्मीद में खुदाई लगातार जारी रखी गई, लेकिन करीब 550 फीट तक पहुंचने के बावजूद उपयोगी पानी नहीं मिला। इस पूरी प्रक्रिया में जमीन मालिक के लगभग एक लाख रुपये खर्च हो गए। अब पीड़ित जमीन मालिक का सवाल है कि जब वैज्ञानिक मशीन से जांच कराई गई थी, तो उसका व्यावहारिक लाभ क्या मिला? यदि पानी मिलने की कोई गारंटी नहीं थी, तो क्या सर्वेयर ने पहले ही स्पष्ट रूप से बताया था कि परिणाम गलत भी हो सकते हैं और ग्राहक को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है?

यह अनुभव भूजल सर्वेक्षण की पारदर्शिता पर सवाल उठाता है। हालांकि केवल बोरवेल में पानी नहीं मिलने से सर्वेयर द्वारा धोखाधड़ी किया जाना साबित नहीं होता। इसकी वास्तविकता जानने के लिए सर्वे रिपोर्ट और तकनीकी दावों की स्वतंत्र जांच आवश्यक है।

आधे घंटे का सर्वे, शुल्क हजारों में!

भूजल सर्वेक्षण कराने वालों के अनुसार, अलग-अलग सर्वेयर 5,000 रुपये से लेकर 20,000 रुपये तक शुल्क मांगते हैं। कई स्थानों पर सर्वे की प्रक्रिया आधे घंटे से एक घंटे में पूरी कर दी जाती है। बड़ा सवाल यह नहीं है कि सर्वे में कितना समय लगा। तकनीकी उपकरण, विशेषज्ञता और यात्रा का भी खर्च होता है। असली सवाल यह है कि इतनी राशि लेने के बाद ग्राहक को वैज्ञानिक आधार वाली कितनी विश्वसनीय जानकारी दी जा रही है। क्या ग्राहक को मशीन की वास्तविक रीडिंग मिलती है? क्या जमीन के अंदर की संरचना का विश्लेषण दिया जाता है? क्या संभावित जलस्तर और अनुमान की सीमाएं लिखित रूप में बताई जाती हैं? या केवल एक स्थान पर



निशान लगाकर बोरिंग करने की सलाह दे दी जाती है? यदि ग्राहक को वैज्ञानिक रिपोर्ट के बजाय केवल मौखिक अनुमान दिया जाता है, तो इतनी मोटी फीस का औचित्य पूछा जाना चाहिए।

क्या वास्तव में जमीन के नीचे पानी खोज सकती है मशीन?

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भूजल सर्वेक्षण की कई मान्य तकनीकें मौजूद हैं। इनमें इलेक्ट्रिकल रेजिस्टिविटी सर्वे और अन्य भूभौतिकीय विधियां शामिल हैं। इन तकनीकों से जमीन के नीचे मौजूद विभिन्न परतों, चट्टानों और संभावित जलधारक संरचनाओं के बारे में अनुमान लगाया जा सकता है। लेकिन महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि अधिकांश भूभौतिकीय मशीनें जमीन के भीतर पानी को किसी कैमरे की तरह सीधे नहीं देखतीं। वे जमीन के भौतिक गुणों का मापन करती हैं, जिनकी व्याख्या विशेषज्ञों द्वारा की जाती है। एक ही तरह की रीडिंग के पीछे अलग-अलग भूगर्भीय कारण हो सकते हैं। इसलिए केवल मशीन की रीडिंग के आधार पर पानी की निश्चित उपलब्धता या बोरवेल से मिलने वाले पानी की मात्रा की गारंटी देना वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं है। यानी वैज्ञानिक सर्वेक्षण उपयोगी हो सकता है, लेकिन उसे पानी मिलने की पक्की गारंटी बताना भ्रामक हो सकता है। जर्मनी की मशीन बताने से क्या विश्वसनीयता साबित हो जाती है? किसी मशीन का जर्मनी या किसी अन्य देश में निर्मित होना उसकी सटीकता का अपने आप प्रमाण नहीं है। यदि कोई सर्वेयर दावा करता है कि उसकी मशीन साढ़े तीन लाख रुपये की है और 380 मीटर तक जमीन की जांच कर सकती है, तो उसे मशीन का निर्माता, मॉडल नंबर, तकनीकी क्षमता और जांच पद्धति बतानी चाहिए। 380 मीटर तक जांच करने की क्षमता और उस गहराई पर निश्चित रूप से पानी मिलने की भविष्यवाणी करना दो अलग-अलग बातें हैं।

ग्राहक को यह जानने का अधिकार है कि मशीन वास्तव में क्या माप रही है और सर्वे के निष्कर्ष कितने विश्वसनीय हैं। किसान और जमीन मालिक आखिर किस पर भरोसा करें? आज एक बोरवेल कराने में जमीन की प्रकृति और गहराई के अनुसार हजारों से लेकर लाखों रुपये तक खर्च हो सकते हैं। ऐसे में कोई किसान या जमीन मालिक सर्वेयर की सलाह पर भरोसा करके बोरिंग कराता है और पानी नहीं मिलता, तो उसकी आर्थिक स्थिति पर गंभीर असर पड़ सकता है। इसलिए भूजल सर्वेक्षण को केवल व्यवसाय के रूप में नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार तकनीकी सेवा के रूप में देखा जाना चाहिए। सर्वेयर को पहले ही स्पष्ट करना चाहिए कि उसके निष्कर्ष संभावनाओं पर आधारित हैं, उनकी क्या सीमाएं हैं और पानी नहीं मिलने का जोखिम कितना है।

प्रशासन और संबंधित विभागों से पांच महत्वपूर्ण सवाल

1. भूजल सर्वेक्षण के नाम पर सेवाएं देने वाले लोगों की तकनीकी योग्यता और मशीनों के दावों की जांच की क्या व्यवस्था है?
2. क्या सर्वे के बदले ग्राहकों को प्रमाणिक तकनीकी रिपोर्ट दी जा रही है?
3. क्या विदेशी मशीनों और उनकी जांच क्षमता के नाम पर किए जाने वाले विज्ञापनों की सत्यता जांची जाती है?
4. यदि किसी ग्राहक को निश्चित पानी मिलने का भ्रामक आश्वासन दिया गया हो, तो उसके लिए शिकायत और कार्रवाई की क्या प्रक्रिया है?
5. क्या किसानों और जमीन मालिकों को भूजल सर्वेक्षण की वैज्ञानिक सीमाओं के बारे में जागरूक करने की जरूरत नहीं है?

जनता सावधान रहे, केवल मशीन के नाम पर भरोसा न करें

दैनिक रणजीत टाइम्स आम जनता से अपील करता है कि बोरवेल कराने से पहले सर्वेयर की योग्यता, मशीन की तकनीक और रिपोर्ट की विश्वसनीयता अवश्य जांचें। सर्वेयर से लिखित रिपोर्ट मांगें। आसपास के पुराने बोरवेल, पानी की गहराई और भूगर्भीय स्थिति की जानकारी लें। जहां संभव हो, योग्य भूवैज्ञानिक या मान्यता प्राप्त तकनीकी संस्था से सलाह लें। यदि कोई व्यक्ति मशीन के नाम पर निश्चित पानी मिलने का दावा करता है, तो उससे लिखित प्रमाण मांगें। भूजल सर्वेक्षण पर खर्च करना गलत नहीं है, लेकिन बिना वैज्ञानिक प्रमाण के किए गए दावों पर आंख बंद करके भरोसा करना महंगा पड़ सकता है। रणजीत टाइम्स की मांगः विज्ञान के नाम पर भ्रम फैलाने वालों की हो जांच भूजल सर्वेक्षण करने वाले सभी लोगों को गलत ठहराना उचित नहीं होगा। अनेक प्रशिक्षित विशेषज्ञ वैज्ञानिक तकनीकों से उपयोगी जानकारी प्रदान करते हैं। लेकिन यदि कोई व्यक्ति मशीन की क्षमता बढ़ा-चढ़ाकर बताता है, गलत आश्वासन देता है या ग्राहकों से महत्वपूर्ण जानकारी छिपाकर मोटी रकम वसूलता है, तो उसकी जांच और प्रमाण मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए।

इंदौर में सामने आए मामले में भी संबंधित सर्वेयर का पक्ष, मशीन का मॉडल, सर्वे रिपोर्ट और भुगतान संबंधी प्रमाणों की जांच जरूरी है। सवाल किसी एक सर्वेयर का नहीं, बल्कि उन हजारों किसानों और जमीन मालिकों के भरोसे का है, जो जमीन के नीचे पानी की तलाश में अपनी मेहनत की कमाई खर्च करते हैं। जब वैज्ञानिक तकनीक के नाम पर सर्वे किया जाता है, तो उसकी वैज्ञानिक सीमाएं भी उतनी ही ईमानदारी से बताई जानी चाहिए। आखिर मशीन की जांच पर भरोसा करके लाखों रुपये खर्च करने वाले आम आदमी के आर्थिक नुकसान की जिम्मेदारी कौन लेगा?

दैनिक रणजीत टाइम्स
जनहित में प्रकाशित विशेष रिपोर्ट

"विज्ञान का उपयोग जनता को सही जानकारी देने के लिए होना चाहिए, झूठी उम्मीद बेचने के लिए नहीं।"

महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर की कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय साडा कोरबा में कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया



कोरबा। कार्यक्रम में महर्षि वाल्मीकि जी के जीवन, व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा रचित रामायण में निहित सत्य, त्याग, करुणा, मर्यादा और कर्तव्य के आदर्शों को स्मरण किया गया। वक्ताओं ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी की शिक्षाएँ आज भी समाज को सदाचार, मानवता और नैतिक मूल्यों का मार्ग दिखाती हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य उनके विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाना तथा नई पीढ़ी को उनसे प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम में छात्राओं ने आदि कवि वाल्मीकि का परिचय, रामचरितमानस की चौपाइयां, राम स्तुति, रामायण की शिक्षाएं प्रस्तुत की एवं सभी ने रामायण के अनुसार चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता संस्कृत, रेणुका लदेर के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संस्था के प्राचार्य रणधीर सिंह, वरिष्ठ व्याख्याता कृष्ण गोपाल भारद्वाज, बी के निराला, सविता पाठक, जयपाल सिंह कंवर, कमलेश साहू, कपिल सवैये,गरिमा थवाईत, विवेक बंजारे उपस्थित थे ।कार्यक्रम में शिक्षिका सविता राठौर के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

कंचनपुर में स्वास्थ्य सेवा की सराहनीय पहल, डिटॉक्स हीलिंग सेंटर में 200 से अधिक लोगों को लाभ मिलने का दावा

निःशुल्क बुनियादी जांच, योग और प्राकृतिक चिकित्सा के जरिए लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने का प्रयास

साहिल खान



शहडोल। लोगों को बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और प्राकृतिक चिकित्सा की सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कंचनपुर स्थित डिटॉक्स हीलिंग सेंटर एवं जय मां शारदा आयुर्वेदिक केंद्र की पहल सराहनीय है। 20 अगस्त को शुरू हुए इस सेंटर के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, योग और विभिन्न थेरेपी की सुविधाओं से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

सेंटर से जुड़े डॉ. भवानी प्रसाद मिश्रा और डॉ. एस.पी. मिश्रा के अनुसार, अब तक 200 से अधिक लोग यहां की सुविधाओं का लाभ ले चुके हैं। सेंटर की खास बात यह है कि यहां बीएमआई सहित कुछ बुनियादी जांचें निःशुल्क उपलब्ध कराने की व्यवस्था है। इसका उद्देश्य आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना लोगों को अपनी सेहत के प्रति जागरूक करना है। यहां मोटापा, डायबिटीज, माइग्रेन, रीढ़ की समस्याओं, शरीर में दर्द और रक्त संचार संबंधी परेशानियों को लेकर आने वाले लोगों को प्राकृतिक चिकित्सा, योग और बेहतर जीवनशैली के बारे में जानकारी दी जाती है।

डॉ. भवानी प्रसाद मिश्रा और डॉ. एस.पी. मिश्रा के मार्गदर्शन में सेंटर में स्वास्थ्य जागरूकता के साथ रोजगार और व्यापार संबंधी प्रशिक्षण के जरिए लोगों को आत्मनिर्भर बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है। नियमित योग, संतुलित खानपान और अनुशासित दिनचर्या के महत्व को समझाकर लोगों को स्वस्थ जीवन की दिशा में प्रेरित करना इस पहल का प्रमुख उद्देश्य है। आम लोगों तक बुनियादी जांच और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी पहुंचाने का यह प्रयास सराहनीय है।

पताः डिटॉक्स हीलिंग सेंटर एवं जय मां शारदा आयुर्वेदिक केंद्र, दावत रेस्टोरेंट के पास, NH-43, कंचनपुर, जिला शहडोल, मध्य प्रदेश।

संत कृपाल जी महाराज का बंटू ढाबे पर आत्मीय स्वागत

मालनपुर। सुप्रसिद्ध संत श्री कृपाल जी महाराज के भिंड से लौटते समय भिंड, ग्वालियर मार्ग स्थित प्रसिद्ध बंटू ढाबे पर आगमन हुआ। संत महाराज के अचानक आगमन से ढाबे पर मौजूद लोगों में हर्ष की लहर दौड़ गई।इस अवसर पर ढाबा संचालक दिनेश सिंह परिहार उर्फ बंटू ने बड़ी श्रद्धा के साथ संत श्री कृपाल जी महाराज का स्वागत किया। संचालक ने उन्हें भगवान श्रीराम के नाम लिखी पट्टिका पहनाकर सम्मानित किया और चरण स्पर्श कर आशीर्वाद प्राप्त किया।इसके पश्चात संत कृपाल जी महाराज ने बंटू ढाबे पर स्वादिष्ट भोजन ग्रहण किया। भोजन के दौरान उन्होंने ढाबा संचालक से आत्मीय चर्चा की। चर्चा के दौरान संत श्री ने जीवन जीने की सच्ची कला और



मानवता का सार बड़े ही सरल शब्दों में समझाया। उन्होंने कहा कि सच्चा जीवन वही है जो दूसरों के काम आए और ईमानदारी की रोटी में ही सच्चा स्वाद है। इस अवसर पर ढाबे के समस्त स्टाफ, आसपास के ग्रामीणजन और कई पत्रकार साथी उपस्थित रहे। सभी ने संत के विचारों को बड़े ध्यान से सुना और उनके आशीर्वाद से अभिभूत हुए। अंत में संत महाराज ने सभी के सुख-समृद्धि की कामना करते हुए प्रस्थान किया।

शराब के नशे में शिक्षक का वीडियो वायरल होने के मामले में माध्यमिक शिक्षक निलंबित

कलेक्टर के निर्देशानुसार शासकीय आचरण एवं पदीय दायित्वों में लापरवाही के मामले में कार्यवाही

डिंडौरी। शासकीय सांदीपनि विद्यालय करंजिया (मोहतरा) में पदस्थ माध्यमिक शिक्षक श्री दशरथ लाल झारिया को कार्य व्यवहार में अनियमितता, पदीय दायित्वों के प्रति लापरवाही तथा शैक्षणिक कार्यों का स्तर गुणवत्ताहीन पाए जाने संबंधी प्रतिवेदन के आधार पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। प्राचार्य, शासकीय सांदीपनि विद्यालय करंजिया (मोहतरा) द्वारा 19 अक्टूबर 2026 को प्रस्तुत प्रतिवेदन में शिक्षक के कार्य व्यवहार एवं शैक्षणिक गतिविधियों में अनियमितताओं का उल्लेख किया गया है। प्रतिवेदन के अनुसार, सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो क्लिप में शराब के नशे में दिखाई दे रहे व्यक्ति को उक्त विद्यालय में पदस्थ शिक्षक बताया गया है। इस मामले को शासकीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही एवं लोकसेवक के अशोभनीय आचरण से संबंधित मानते हुए मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम, 1965 के नियम



1, 2 एवं 3 के उल्लंघन का उल्लेख किया गया है। प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर श्री दशरथ लाल झारिया को मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9 के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, करंजिया निर्धारित किया गया है। इस अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

उज्जैन राधाकृष्ण मंदिर ट्रस्ट का विस्तार, 25 नए न्यासी सदस्य नियुक्त

उज्जैन। श्री क्षत्रिय कलौता समाज राधाकृष्ण मंदिर परमार्थिक न्यास एवं छात्रावास, उज्जैन की बैठक 25 अक्टूबर 2026, रविवार को आयोजित की गई। बैठक में समाज के वरिष्ठजनों, पदाधिकारियों एवं समाजबंधुओं की उपस्थिति में ट्रस्ट के विस्तार पर सहमति बनी तथा 25 नए न्यासी सदस्यों की नियुक्ति की गई।

इस अवसर पर वरिष्ठ सदस्य श्री छतरसिंहजी केलवा साहब एवं श्री जगन्नाथजी वर्मा साहब ने स्वेच्छा से ट्रस्ट की सेवा से मुक्त होते हुए नए सदस्यों की नियुक्ति की। समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राधेश्यामजी पटेल, ट्रस्ट अध्यक्ष श्री पदमसिंहजी पटेल, सचिव श्री हरलालजी डाबी एवं कोषाध्यक्ष श्री रमेशचंद्रजी चौधरी सहित



समस्त ट्रस्टी एवं समाजजन उपस्थित रहे। बैठक में श्री रामनारायणजी मकवाना, धतुरिया को ट्रस्ट का प्रवक्ता नियुक्त किया गया। साथ ही विभिन्न गांवों से आए समाजबंधुओं को न्यासी सदस्य के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को श्री ऋषिजी वर्मा ने शपथ दिलाई। इस दौरान श्री ऋषिजी वर्मा का शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया।

बैठक को श्री उमरावसिंहजी मौर्य, श्री मनोहरसिंहजी पंवार एवं श्री मोतीसिंहजी पटेल ने संबोधित किया। संचालन श्री केदारसिंहजी चौहान ने किया तथा आभार अध्यक्ष श्री पदमसिंहजी पटेल ने व्यक्त किया। ट्रस्ट की ओर से सभी नवनियुक्त सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं।

एक बेहतर पहल... जब खबरों से परे मिला पत्रकारिता परिवार

शरद पूर्णिमा की चांदनी में आत्मीय मिलन,

भजन-गरबा और संवाद की यादगार शाम

दीपक कर्दम की पहल, गौरव रणदिवे की सहजता और विधायक गोलू शुक्ला का सहयोग रहा खास

राजेश धाकड़

इंदौर। खबरों की भागदौड़, समय की पाबंदी और जिम्मेदारियों के बीच पत्रकारों की जिंदगी अक्सर काम तक सिमटकर रह जाती है। दिनभर दूसरों की खबरों को तलाशने, घटनाओं को समझने और समाज की आवाज बनने वाले पत्रकारों को भी कभी ऐसा अवसर चाहिए, जहां वे पेशेगत जिम्मेदारियों से इतर अपनों के बीच बैठ सकें, खुलकर बातचीत कर सकें और जिंदगी के कुछ खुशनुमा पल साझा कर सकें। इंदौर प्रेस क्लब में शरद पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित मिलन समारोह कुछ ऐसी ही खूबसूरत पहल बनकर सामने आया। प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक कर्दम की इस पहल ने पत्रकारिता परिवार को खबरों की दुनिया से कुछ समय के लिए बाहर निकलकर आपसी आत्मीयता, संवाद और सांस्कृतिक रंगों के बीच समय बिताने का अवसर दिया। चांदनी रात, संगीत की मधुर धुनें, भजनों की भक्तिमय प्रस्तुति, गरबा और साथियों के बीच हंसी-मजाक ने इस शाम को यादगार बना दिया। आखिर, जो दूसरों की कहानियां लिखते हैं, उनके अपने रिश्तों के भी कुछ खूबसूरत किस्से होने चाहिए।

सहज संवाद में उठा पत्रकारों के स्वास्थ्य और सुरक्षा का मुद्दा- कार्यक्रम



में भाजपा के प्रदेश महामंत्री गौरव रणदिवे निर्धारित समय के आसपास ही पहुंच गए। उनकी सहज उपस्थिति और पत्रकारों के साथ अनौपचारिक संवाद ने आयोजन को आत्मीयता प्रदान की। बातचीत के दौरान पत्रकारों के स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़े विषय पर भी चर्चा हुई। इसी क्रम में दीपक कर्दम की ओर से पत्रकारों के लिए पांच लाख रुपये तक के निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा की व्यवस्था का उल्लेख सामने आया। पत्रकारिता के क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है। दिन-रात की भागदौड़, अनियमित दिनचर्या और जोखिमों के बीच काम करने वाले पत्रकारों के कल्याण से जुड़ी ऐसी चर्चाएं इस बात की याद दिलाती हैं कि पत्रकारिता परिवार के हितों पर भी गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। वहीं, विधायक गोलू शुक्ला का सहयोग भाव भी आयोजन की खास बात रहा। ऐसे आयोजनों में सहयोग का महत्व केवल व्यवस्थाओं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह आपसी विश्वास, सम्मान और अपनत्व को भी मजबूत करता है।

शिवपुरीः विष्णु मंदिर के पास छेड़छाड़ का विरोध करने पर युवती से मारपीट, एक आरोपी गिरफ्तार

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी। शहर के विष्णु मंदिर के पास युवती के साथ छेड़छाड़ और मारपीट के मामले में थाना फिजिकल पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। वहीं, फरार तीन अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, 25 अक्टूबर 2026 की शाम सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें कुछ युवक दो युवतियों के साथ मारपीट करते और उनके बाल पकड़कर खींचते दिखाई दे रहे थे। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए।

स्कूटी का पीछा कर किए अश्लील कमेंट, विरोध पर मारपीट

जांच में सामने आया कि पीड़ित युवती सिद्धेश्वर मेला ग्राउंड से अपने भाई के दोस्त के साथ स्कूटी पर सवार होकर पुरानी शिवपुरी जा रही थी। इसी दौरान ओरा कार में सवार युवकों ने उसकी स्कूटी का पीछा किया। आरोप है कि विष्णु मंदिर के पास कार में बैठे युवकों ने युवती पर अश्लील टिप्पणियां कीं और इशारे किए। युवती ने जब इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। पास की एक दुकान पर काम करने वाली युवती ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो उसके साथ भी धक्का-मुक्की की गई। विवाद बढ़ता देख मौके पर मौजूद लोगों ने हस्तक्षेप किया और



एक आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। हालांकि, तीन अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए।

चार आरोपियों पर मामला दर्ज

पीड़िता की रिपोर्ट पर थाना फिजिकल पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 236/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 74, 75, 76, 79, 115(2), 296(बी), 351(3) और 3(5) में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी की पहचान बृजेन्द्र उर्फ जन्डेल सिंह गुर्जर (30 वर्ष), निवासी पुराना अमोला, मामौनी रोड, थाना अमोला, जिला शिवपुरी, हाल निवासी नई फ्रूट मंडी के सामने, खेत सिंह खंगार कॉलोनी, थाना देहात, शिवपुरी के रूप में की है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.डी. प्रजापति और सीएसपी सचिन कुमार धुर्वे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी फिजिकल निरीक्षक अविनाश राठौड़ के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी को 26 अक्टूबर को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। शेष तीन फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

गांव, गरीब और किसान का कल्याण भाजपा सरकार की पहली प्राथमिकता:-कमल पटेल,

पूर्व कैबिनेट मंत्री कमल पटेल ने ग्राम खमलाय में किया 37.50 लाख रुपए की लागत से बनने वाले ग्राम पंचायत भवन के निर्माण कार्य का भूमिपूजन

वीरेंद्र चौहान रणजीत टाइम्स

हरदा- प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता कमल पटेल ने सोमवार को खिरकिया विकासखंड के ग्राम खमलाय में 37 लाख 50 हजार रुपए की लागत से बनने वाले नवीन ग्राम पंचायत भवन का विधिवत भूमिपूजन किया। कि भूमिपूजन कार्यक्रम ग्राम खमलाय में पुराने माध्यमिक शाला भवन के पास आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री कमल पटेल ने कहा कि भाजपा सरकार गांव, गरीब और किसान के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।यह भाजपा सरकार की पहली प्राथमिकता हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में देश तथा प्रदेश के गांवों में विकास की गंगा बह रही है। श्री पटेल ने कहा कि किसी भी ग्राम का पंचायत भवन गांव के विकास का केंद्र होता है, जहां से ग्रामीणों के विकास का खाका तैयार होता है। साथ ही योजनाओं का लाभ भी ग्रामीणों को मिलता है। उन्होंने कहा कि खिरकिया क्षेत्र के गांव-गांव में सड़कों का जाल, हर घर नल से जल, स्कूल भवनों का उन्नयन और सिंचाई सुविधाओं का विस्तार भाजपा सरकार की देन है।



इस अवसर पर खिरकिया जनपद पंचायत उपाध्यक्ष मोहन सोलंकी, सरपंच ममता बाई भवर, उपसरपंच अल्पना पटेल, ग्राम के वरिष्ठ भाजपा नेता नारायण बोस, उपसरपंच प्रतिनिधि सुभाष मास्टर, सुभाष पुनिया, सुखराम उमरिया, तेजराम पटेल बड़नगर, राधेश्याम गोदारा, पृथ्वी विश्नोई, शिवकुमार बघेल, हरनाम सिंह बघेल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

शरद पूर्णिमा के पावन पर्व पर नवग्रह शनि मंदिर पर श्रद्धालुओं के बीच फोटोग्राफर वेलफेयर सोसाइटी ने किया खीर प्रसाद वितरण

गोस्वामी- शिवपुरी। शरद पूर्णिमा के पावन पर्व पर स्थानीय प्राचीन नवग्रह मंदिर में फोटोग्राफर वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में विशेष पूजा-अर्चना के साथ श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक खीर का प्रसाद ग्रहण किया। धार्मिक आस्था और सेवा भावना से आयोजित इस कार्यक्रम में सोसाइटी के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।कार्यक्रम से पूर्व फोटोग्राफर वेलफेयर सोसाइटी के संरक्षक एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री ब्रज दुबे का जन्मदिन शगुन वाटिका में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समाजसेवी जितेंद्र रघुवंशी जीतू, मीडिया साथी मणिका शर्मा, राजू ग्वाल सहित फोटोग्राफर सोसाइटी के वरिष्ठ एवं युवा फोटोग्राफरों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार
इंदौर प्रति मंगलवार, 27 अक्टूबर 2026 से 2 नवम्बर 2026 तक

कटारिया ट्रेडर्स का भव्य शुभारंभ, मुख्य अतिथि गोपाल गावंडे ने फीता काटकर किया उद्घाटन

प्रतिष्ठान के संचालक निरंजन सिंह सैनी को दी शुभकामनाएं, माँ अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा भेंट कर किया सम्मान

इंदौर। व्यापार एवं निर्माण क्षेत्र में एक नई पहल के रूप में कटारिया ट्रेडर्स (Katariya Traders) का आज भव्य शुभारंभ उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दैनिक रणजीत टाइम्स के प्रधान संपादक एवं भारतीय पत्रकार संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोपाल गावंडे उपस्थित रहे। उन्होंने विधिवत फीता काटकर प्रतिष्ठान का उद्घाटन किया तथा संस्थान के संचालक श्री निरंजन सिंह सैनी को नए व्यावसायिक सफर के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उद्घाटन समारोह में पुष्पमालाओं, मिठाई वितरण एवं पारंपरिक स्वागत के साथ खुशी का माहौल रहा। इस अवसर पर लोकमाता पुण्यश्लोक माँ अहिल्याबाई होलकर जी की प्रतिमा भेंट कर सम्मान एवं शुभकामनाएं व्यक्त की गईं। स्टोन एवं कंस्ट्रक्शन क्षेत्र की जरूरतों का एक ही स्थान पर





समाधान प्रतिष्ठान के संचालक श्री निरंजन सिंह सैनी ने बताया कि कटारिया ट्रेडर्स में स्टोन एवं निर्माण कार्यों में उपयोग होने वाले विभिन्न प्रकार के एडहेसिव, केमिकल, एक्सेसरीज एवं संबंधित उत्पाद उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि उनका संस्थान केवल उत्पादों की बिक्री तक सीमित नहीं है, बल्कि बड़े स्तर पर निर्माण कार्यों से भी जुड़ा हुआ है। संस्थान द्वारा बड़ी बिल्डिंगों के निर्माण कार्य, स्टोन वर्क एवं अन्य कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट के ठेके भी लिए जाते हैं। इसके अतिरिक्त कटारिया ट्रेडर्स के पास विभिन्न निर्माण संबंधी उत्पादों की डिस्ट्रीब्यूशन व्यवस्था भी है, जिसके माध्यम से व्यापारियों, ठेकेदारों और निर्माण क्षेत्र से जुड़े ग्राहकों तक उत्पाद उपलब्ध कराए जाएंगे।

व्यापार के साथ गुणवत्ता और विश्वास को प्राथमिकता इस अवसर पर श्री गोपाल गावंडे ने कहा कि किसी भी व्यवसाय की वास्तविक पहचान उसकी गुणवत्ता, ईमानदारी, ग्राहक सेवा और विश्वास से बनती है। उन्होंने कहा कि नए व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की शुरुआत से स्थानीय व्यापार को मजबूती मिलती है और रोजगार एवं विकास के नए अवसर पैदा होते हैं। उन्होंने संस्थान के संचालक निरंजन सिंह सैनी के उज्ज्वल भविष्य और व्यापार की निरंतर प्रगति की कामना की। कटारिया ट्रेडर्स के संचालक निरंजन सिंह सैनी ने सभी अतिथियों एवं शुभचिंतकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता, उचित मूल्य और विश्वसनीय सेवाएं उपलब्ध कराना ही संस्थान की प्राथमिकता रहेगी। कार्यक्रम का समापन मिठाई वितरण, बधाइयों और मंगलकामनाओं के साथ हुआ।

इंदौरः छत्रीपुरा पुलिस ने धारदार छुरे के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

खुशबू श्रीवास्तव

गंगवाल बस स्टैंड के पास लोगों को डरा-धमका रहा था आरोपी, 13.5 इंच लंबा छुरा बरामद

इंदौर। शहर में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना छत्रीपुरा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को धारदार छुरे के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान आकाश वर्मा (35), निवासी 138 लोढ़ा कॉलोनी, छत्रीपुरा, इंदौर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 23 अक्टूबर 2026 को प्रधान आरक्षक अजय यादव को मुखबिर से सूचना मिली थी कि गंगवाल बस स्टैंड के पास वैद्य ख्यालीराम के बगीचे के खाली मैदान में एक व्यक्ति धारदार छुरा लेकर आने-जाने वाले लोगों को डरा-धमका रहा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर संदिग्ध को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान आरोपी की कमर से 13.5 इंच लंबा लोहे का धारदार छुरा बरामद हुआ।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा 7 लाख का सीसी रोड

6 महीने में ही उखड़ी गिट्टियां, लीपापोती की तैयारी में जिम्मेदार

ग्राम पंचायत बिजोरी का मामलाः अधिकारियों की चौखट तक पहुंची शिकायतें, फिर भी बेखबर बना जिला प्रशासन

महेन्द्र मालवीय रणजीत टाईम्स

बुरहानपुर जिले के खकनार ब्लॉक की ग्राम पंचायत बिजोरी में विकास कार्यों के नाम पर शासकीय धनराशि के दुरुपयोग और अनियमितता का एक गंभीर मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत बिजोरी में लगभग 7 लाख रुपये की लागत से निर्मित सीसी रोड भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है। नियमों को ताक पर रखकर बनाए गए इस रोड की गुणवत्ता इतनी घटिया है कि महज़ छः महीने के भीतर ही यह पूरी तरह से जर्जर और उखड़ने लगा है।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब बिजोरी में इस तरह का घटिया निर्माण हुआ हो। पंचायत में पूर्व में हुए कई अन्य निर्माण कार्यों की निष्पक्ष जाँच कराई जाए, तो भ्रष्टाचार की



एक बड़ी परत उधड़ सकती है।

अधिकारियों को संज्ञान, फिर भी कार्रवाई से गुरेज

रोड के पूरी तरह खराब हो जाने और ग्रामीणों को आवागमन में हो रही भारी परेशानी के बावजूद ज़िम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं। ग्रामीणों द्वारा पिछले कई महीनों से लगातार शिकायतें की जा रही हैं, लेकिन इसके बावजूद रोड को दुरुस्त करने या दोषियों पर कार्रवाई करने की ज़हमत नहीं उठाई गई। मामले में जब पंचायत के सचिव दीपक अंबिकर से बात की गई, तो उन्होंने अपनी ज़िम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए कहा कि "यदि रोड खराब बना है, तो इसमें केवल मेरी अकेले की ज़िम्मेदारी नहीं है।" सचिव के इस बयान ने पंचायत के कामकाज के तरीके पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि जब रोड पूरी तरह से गुणवत्ताहीन था, तो उपयंत्री ने किस आधार पर इसका लाखों रुपये का मूल्यांकन पास कर दिया? इस पूरे मूल्यांकन प्रक्रिया की गहन जाँच होनी चाहिए।

पुराने भ्रष्टाचार को दबाने के लिए नई लीपापोती की तैयारी!

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत बिजोरी में अब नए सीसी रोड निर्माण की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। बताया जा रहा है कि ट्यूबवेल से लेकर नदी की ओर जाने वाले इसी बदहाल और जर्जर रोड पर लीपापोती कर मामले को रफा-दफा करने की योजना बनाई जा रही है, ताकि पुराने घटिया निर्माण और भ्रष्टाचार को छुपाया जा सके। ग्राम पंचायत बिजोरी के जागरूक नागरिकों ने जिला प्रशासन और वरिष्ठ अधिकारियों से माँग की है कि इस मामले में तत्काल संज्ञान लिया जाए। 7 लाख रुपये की लागत से बने रोड के मूल्यांकन की तकनीकी जाँच कराई जाए और दोषी सरपंच, सचिव व उपयंत्री के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

इंदौर में हुआ जीवित माँ पूजन महोत्सव मातृ सम्मान और भाईचारे का दिया संदेश

सद्गुरु स्वामी श्री अरुणानंद जी महाराज साहेब के सान्निध्य में हुआ आयोजन, बच्चों ने किया माताओं का पूजन

इंदौर (खुशबू श्रीवास्तव)। नवरात्रि के पश्चात बासी दशहरे के पावन अवसर पर एक तू ही जयगुरूदेव के तत्वावधान में जीवित माँ पूजन महोत्सव का भव्य आयोजन प्रीतमलाल दुआ सभा गृह, इंदौर में किया गया। सद्गुरु स्वामी श्री अरुणानंद जी महाराज साहेब के सान्निध्य में आयोजित इस कार्यक्रम में मातृ सम्मान, पारिवारिक संस्कार,



प्रेम, सद्भाव और भाईचारे का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज को यह प्रेरणा देना था कि माता-पिता का सम्मान और उनकी सेवा ही जीवन के सबसे महत्वपूर्ण संस्कारों में से एक है। सद्गुरु स्वामी श्री अरुणानंद जी महाराज साहेब ने जीवित माँ के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि माँ का सम्मान ही सच्ची पूजा है। उन्होंने लोगों को अपनी माताओं के प्रति प्रेम, श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया। महोत्सव के दौरान विभिन्न माताओं को आमंत्रित किया गया। उनके बच्चों ने अपनी माताओं का पूजन कर उन्हें उपहार भेंट किए। वहीं, संस्था की ओर से गणमान्य नागरिकों एवं समाजसेवियों के माध्यम से भी माताओं का सम्मान किया गया। इस दौरान माताओं के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए परिवारों में प्रेम, एकता और भाईचारा बनाए रखने का संदेश दिया गया। गणमान्य अतिथियों ने किया माताओं का सम्मान- कार्यक्रम में पूर्व राज्य मंत्री श्री दिलीप राजपाल एवं सर्व धर्म अध्यक्ष मंजूर बैग, रियाज़ खान,शफीक बाबा वारसी, परदेसीपुरा थाना सब इंस्पेक्टर दुर्गा सूर्यवंशी, पूर्व कैबिनेट मंत्री श्रीमती रंजना बघेल सहित अनेक गणमान्य नागरिक, समाजसेवी और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन 22 सेक्टर एफ सांवेर रोड, इण्डस्ट्रीयल एरिया इंदौर म.प्र. एवं जी -1 कॉस्मिक रीजेंसी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित संपादक गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादो का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)